विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग- नवम

विषय -हिन्दी पाठ-२ मेरे संग की औरतें

1. लेखिका ने अपनी नानी को कभी देखा भी नहीं फिर भी उनके व्यक्तित्व से वे क्यों प्रभावित थीं?

उत्तर- यह बात सत्य है कि लेखिका ने कभी भी अपनी नानी को देखा नहीं परंतु अपनी नानी के बारे में उसने जो कुछ भी सुना था, उसके कारण वह उनके व्यक्तित्व से प्रभावित थी। नानी की शादी विलायती ढंग से व्यतीत करने वाले बैरिस्टर के साथ हुई थी। विलायती ढंग के जीवन की शिकायत न करते हुए वह पारंपरिक ढंग से रहना स्वीकार किया।

2. लेखिका की नानी की आजादी के आंदोलन में किस प्रकार की भागीदारी रही?

उत्तर- लेखिका की नानी जब स्वयं को मौत के करीब पाया तो उन्हें अपने इकलौती बेटी के शादी की चिंता होने लगी इसलिए उन्होंने अपने पति के मित्र प्यारेलाल से वचन लिया कि वह उनकी बेटी की शादी किसी स्वतंत्रता-सेनानी से करवाएंगे। इस प्रकार उन्होंने अपनी बेटी का विवाह स्वतंत्रता-सेनानी के साथ करवाकर आजादी के आंदोलन में भागीदारी दी।

3. लेखिका की माँ परंपरा का निर्वाह न करते हुए भी सबके दिलों पर राज करती थी। इस कथन के आलोक में

(क) लेखिका की माँ के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर-
(**1**)लेखिका की माँ मितभाषी और झूठ न बोलने वाली थी।
(**2**)लेखिका की माँ खद्दर की साड़ी पहनती थी।
(**3**)लेखिका की माँ बच्चों से प्यार नहीं करती थी और न ही उनके लिए खाना पकाती थी।
(**4**)लेखिका की माँ का अधिकांश समय संगीत सुनने पुस्तकें पढ़ने व साहित्य चर्चा में व्यतीत होता था। (**5**)लेखिका की माँ को घर वालों से सम्मान तथा बाहर वालों से प्रेम मिलता था।

(ख) लेखिका की दादी के घर के माहौल का शब्द-चित्र अंकित कीजिए।

उत्तर- लेखिका के दादी के घर का माहौल गांधीवाद से प्रभावित था। गांधीवाद से प्रभावित होने के कारण लेखिका की माँ को खद्दर की साड़ी पहननी पड़ती थी। जिस कारण उनकी कमर चनक जाती थी। लेखिका की दादी के घर वाले स्वतंत्र विचारों को मानने वाले थे। एक दूसरे की गोपनीय बात को कोई किसी से नहीं कहता था। किसी का पत्र आने पर बिना उससे पूछे पत्र को कोई नहीं खोलता था।

4. आप अपनी कल्पना से लिखिए कि परदादी ने पतोहू के लिए पहले बच्चे के रूप में लड़की पैदा होने की मन्नत क्यों माँगी?

उत्तर- परदादी पतोहू के लिए पहले बच्चे के रूप में लड़की पैदा होने की मन्नत इसलिए मांगती हैं क्योंकि वह रूढ़िवादी परंपरा की विरोधी थी और लीक से हटकर चलने की उनकी आदत थी। वह संसार में प्रचलित परंपराओं के विरुद्ध चलने के कारण लड़की के जन्म की मन्नत मांगती हैं।

5. डराने-धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है-पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर- डराने-धमकाने उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता है जैसे कि पहला उदाहरण लेखिका की माँ ने चोर को जो चोरी के उद्देश्य से उन्हीं के कमरे में घुसा था न तो डराया न ही धमकाया बल्कि अपनी सहज बातों से उसे चोरी छोड़ने पर मजबूर कर दिया। दूसरा उदाहरण लेखिका की बहन रेणु बार-बार यही कह रही थी कि मैं क्यों बीए की परीक्षा दूँ मैं नहीं दूँगी मेरे लिए क्या जरूरी है। उसके पिताजी ने उसे कहा कि बीए करो क्योंकि मैं कह रहा हूं । इस प्रकार के सहज भाव से वह बी.ए. की परीक्षा देने के लिए तैयार हो जाती है।

निर्देश -दी गई उपरोक्त सामग्री में मेरे संग की औरतें (संस्मरण) जो कि आपकी कृतिका पाठ्य-पुस्तक से संबंधित है । आप इसे अपनी कांपी में लिखें तथा प्रश्नोत्तर को हरसंभव स्मृति में लाने का प्रयास करें

शेष अगली कक्षा में ..